चीन-आसियान बैठक

प्रलिम्सि के लयि:

आसियान

मेन्स के लयि:

आसियान में भारत की भूमकिा तथा एशयिाई क्षेत्र

चर्चा में क्यों?

हाल ही में चीन ने 10 दक्षणि पूर्व एशयिाई राष्ट्र संघ (आसियान) देशों के वदिश मंत्रयिों की एक बैठक की मेज़बानी की।

- बैठक चीन-आसियान वार्ता की 30वीं वर्षगाँठ का प्रतीक है।
- इस बैठक के माध्यम से चीन इस क्षेत्र के साथ अपने आर्थकि संबंधों को गहरा करने, अमेरकिा के साथ-साथ क्वाड (चतुर्भुज फ्रेमवर्क) समूह से क्षेत्रीय जुड़ाव पर नए सरि से प्रयास करना चाहता है।
    - QUAD इस वर्ष की शुरुआत में एक क्षेत्रीय वैक्सीन पहल के साथ सामने आया था।

प्रमुख बदि:

चीन का पक्ष:

- **चीन की सांस्कृतकि कूटनीत:**
    - चीन ने दोहराया कचीन और आसियान को संयुक्त रूप से पश्चमि में एशयिाई मूल्यों को आगे बढ़ाना चाहयि।
        - चीन ने वर्ष 2014 में इस वचिार को सामने रखा था कयिह "एशयिाई लोगों के एशयिा की सुरक्षा को बनाए रखने के लयि" था।
- **कोवडि-वैक्सीन:**
    - चीन ने आसयिान देशों को अपने टीके के साथ-साथ संयुक्त वैक्सीन वकिास और उत्पादन पर घनषिठ सहयोग की पेशकश की।
- **समुद्री सुरक्षा और ववाद:**
    - चीन ने व्यापक रणनीतकि साझेदारी के लयि चीन-आसयिान संबंधों पर बल देने, वचिार करने और दक्षणि चीन सागर में आचार संहति पर शीघ्र समझौते हेतु प्रयास करने का आह्वान कयिा।
    - दक्षणि चीन सागर में चीन की बढ़ती सैन्य गतविधियों के बारे में उनकी चतिाओं के बीच चीन ऑफसेट समुद्री ववादों और कुछ आसयिान देशों के अमेरकिा के साथ घनषिठ रक्षा संबंधों हेतु गहरे आर्थकि संबंधों पर नरि्भर है।
- **क्षेत्रीय व्यापक आर्थकि भागीदारी:**
    - चीन ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थकि भागीदारी (RCEP) के शीघ्र कार्यान्वयन पर ज़ोर दयिा, जसि पर नवंबर 2020 में चीन, आसयिान देशों, जापान, दक्षणि कोरयिा, ऑस्ट्रेलयिा और न्यूज़ीलैंड द्वारा हस्ताक्षर कयि गए थे।
        - चीन के साथ पहले से ही व्यापक व्यापार असंतुलन और सेवाओं की वफिलता के बीच भारत ने RCEP से मुख्य रूप से चतिाओं के कारण इसे चीनी सामानों हेतु खोल दयिा।

आसयिान का चीन के लयि महत्त्व:

- आसयिान चीन के आर्थकि और सामरकि हतिों में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभािता है।
- यह क्षेत्र संचार के महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्गों का वसि्तार करता है जो मध्य पूर्वी क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण तेल आयात सहति वैश्वकि बाज़ार तक चीन की पहुँच का प्रतनिधित्वि करता है।
- चीन के साथ आर्थकि रूप से जुड़े हुए इस क्षेत्र के अपेक्षाकृत छोटे राष्ट्र भी चीन को अपने प्रभाव को बढ़ाने हेतु पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं और चीनी रणनीतकिारों को चीन की मुख्य भूमकि चारों ओर घेरने की एक यूएस (अमेरकिा की उपस्थति) शृंखला के रूप में देखते हैं।

आसियान और भारत:

- परंपरागत रूप से भारत-आसियान संबंधों का आधार साझा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ों के कारण व्यापार एवं व्यक्तियों के बीच संबंध रहा है, अभिसरण का एक और हालिया व ज़रूरी क्षेत्र चीन के उदय को संतुलित कर रहा है।
    - वर्ष 2020 में 17वाँ आसियान-भारत आभासी शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया था।
    - 8वीं पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आर्थिक मंत्रियों की बैठक (EAS-EMM) भी वर्ष 2020 में आयोजित की गई थी। इसमें आसियान के दस सदस्य देशों के साथ-साथ 8 अन्य देश ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, भारत, न्यूजीलैंड, कोरिया, रूस और अमेरिका शामिल हैं।
    - भारत और आसियान दोनों का लक्ष्य चीन की आक्रामक नीतियों के विपरीत क्षेत्र में शांतिपूर्ण विकास के लिये एक नियम-आधारित सुरक्षा ढाँचा स्थापित करना है।
- भारत की तरह वियतनाम, फिलीपींस, मलेशिया और ब्रुनेई जैसे कई आसियान सदस्यों का चीन के साथ क्षेत्रीय विवाद है, जो कि चीन के संबंधों का एक महत्त्वपूर्ण घटक है।
- भारत ने वर्ष 2014 में अपने पिछले दृष्टिकोण की तुलना में अधिक रणनीतिक दृष्टिकोण के साथ न केवल दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ बल्कि प्रशांत क्षेत्र में भी जुड़ाव पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'पूर्व की ओर देखो' नीति को एक्ट ईस्ट में फिर से जीवंत कर दिया।
    - 'एक्ट ईस्ट' नीति का मुख्य फोकस भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच कनेक्टिविटी बढ़ाने पर है।

दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ:

- यह एक क्षेत्रीय समूह है जो आर्थिक, राजनीतिक और सुरक्षा सहयोग को बढ़ावा देता है।
- इसकी स्थापना अगस्त 1967 में बैंकॉक, थाईलैंड में आसियान के संस्थापकों, अर्थात् इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर और थाईलैंड द्वारा आसियान घोषणा (बैंकॉक घोषणा) पर हस्ताक्षर के साथ की गई।
- इसके सदस्य राज्यों के अंग्रेज़ी नामों के वर्णानुक्रम के आधार पर इसकी अध्यक्षता वार्षिक रूप से प्रदान की जाती है।
- आसियान देशों की कुल आबादी 650 मिलियन है और संयुक्त सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) 2.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर है। यह लगभग 86.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के व्यापार के साथ भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

सदस्य:

- ब्रुनेई, कंबोडिया, इंडोनेशिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम

आगे की राह:

- जैसा कि डोकलाम गतिरोध में देखा गया है, चीन अक्सर भारत को चुनौती देने के इरादे से अपनी क्षमता प्रदर्शित करता है, यह उचित है कि भारत क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की रक्षा के लिये मिलकर काम करने में रुचि रखने वाले अधिक समान विचारधारा वाले देशों को ढूँढता है।
- इस संदर्भ में आसियान पूरी तरह उपयोगी है। आसियान भारत के अविकसित पूर्वोत्तर क्षेत्र के तेज़ी से विकास को भी प्रेरित कर सकता है यदि लोगों और सामानों की आवाज़ाही को सक्षम करने वाले संबंध जल्दी से स्थापित किये जा सकें।

- लेकिन ऐसा करने के लिये भारत को कनेक्टिविटी परियोजनाओं में तेज़ी लाने और आसियान देशों के साथ अपने असमान व्यापार संतुलन को दूर करने पर ध्यान देना चाहिये।

स्रोत-द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/china-asean-meeting